भारतीय भाषा समिति

(शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार)

द्वारा संपोषित

शिक्षक शिक्षा विभाग (शिक्षा पीठ)

दक्षिण बिहार केन्द्रीय विश्वविद्यालय, गया

एवं

विद्या भारती उच्च शिक्षा संस्थान

के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित

स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर

आज़ादी का अमृत महोत्सव

राष्ट्रीय संगोष्ठी

भारतीय भाषा माध्यम से उच्च शिक्षा

संभावनाएँ, चुनौतियाँ एवं शिक्षकों की तैयारी

15 - 16 सितंबर, 2022

(गुरुवार एवं शुक्रवार)

आयोजन स्थल

संगोष्ठी सभागार, विवेकानंद व्याख्यान परिसर

दक्षिण बिहार केन्द्रीय विश्वविद्यालय, गया

संगोष्ठी की पृष्ठभूमि

भाषा बोलने, समझने और संचार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है, जो मुख्य रूप से ज्ञान की प्राप्ति एवं सृजन हेतु आवश्यक है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 भारतीय भाषाओं विशेष रूप से आठवीं अनुसूची में उल्लिखित सभी भाषाओं के उन्नयन हेतु कटिबद्ध है। भारतीय शिक्षा नीति के इस दस्तावेज़ द्वारा पहली बार भारतीय भाषाओं एवं भारतीय ज्ञान परम्परा को आधुनिक शिक्षा व्यवस्था के आवश्यक अंग के रूप में स्वीकार किया गया है तथा शिक्षा के हर एक स्तर पर इसकी क्षमताओं और संभावनाओं के संवर्धन पर भी जोर दिया गया है। भाषाओं के संदर्भ में भारत एक बहुत ही समृद्ध देश है और भारतीय मूल्य, कला, संस्कृति एवं ज्ञान इन्हीं भारतीय भाषाओं में अंतर्निहित हैं जो कि भारतीयता को जानने और समझने के लिए महत्वपूर्ण है। 2011 की जनगणना के अनुसार, भारत में दस हजार से अधिक व्यक्तियों द्वारा बोली जानेवाली 270 भाषाएँ/मातृभाषाएँ हैं। इन भाषाओं में कई भिन्नताएँ हैं, पर उनमें एकत्व का मौलिक भाव निहित है, जो हमारी राष्ट्रीय एकता एवं अखंडता को सुदृढ़ करती है।

इतनी समृद्ध भाषाई धरोहर होने के बावजूद उच्च शिक्षा में भारतीय भाषाओं की स्थिति बहुत दयनीय है। आज़ादी के 75 वर्षों के बाद भी सम्पूर्ण उच्च शिक्षा उपनिवेशी भाषा के चंगुल से मुक्त नहीं हो पायी है। भारत में उच्च शिक्षा की कक्षाओं में अंग्रेजी भाषा का आधिपत्य गैर-अंग्रेजी पृष्ठभूमि के विद्यार्थियों के लिए एक बड़ी चुनौती है। कक्षाओं में इस भाषा की अभिजात्य स्थिति ज्ञान और विकास के समग्र अधिग्रहण के लिए बाधाएँ उत्पन्न करती हैं जो दो समूहों के बीच इस अंतराल को बढ़ाने और विघटन के लिए उत्तरदायी है। भारत जैसे बहुभाषी समाज के सरकारी विद्यालयों में यद्यपि माध्यमिक स्तर तक की शिक्षा तो मातृभाषा या क्षेत्रीय भाषाओं में उपलब्ध करायी जाती है, परंतु जब विद्यार्थी उच्च अध्ययन के लिए शिक्षण संस्थानों में दाखिला लेते हैं तो उन्हें अलग-अलग स्तर पर भाषाई भेदभाव का सामना करना पड़ता है। अधिकांश विश्वविद्यालय प्रवेश विवरणिका, विज्ञापन, पाठ्यक्रम के बारे में जानकारी और अन्य गतिविधियाँ केवल अंग्रेजी में प्रदान करते हैं। इतना ही नहीं, कक्षाओं में प्रवेश के उपरांत भारतीय भाषाओं में गुणवत्तापूर्ण पाठ्यसामग्री एवं पाठ्यपुस्तकों का अभाव भी भारतीय भाषा माध्यम से विद्यालयी शिक्षा पूर्ण करके आये विद्यार्थियों के समक्ष एक अतिरिक्त चुनौती पैदा करता है। परिणामस्वरूप इन विद्यार्थियों के लिए उच्च शिक्षा संस्थान की कक्षाएँ एक 'एलिनिएटेड' स्थान का काम करती हैं अत: उच्च शिक्षा इनके लिए दुष्कर कार्य सिद्ध होने लगती है। विद्यार्थियों के एक बड़े समूह का उच्च शिक्षा छोड़ने का कारण भारतीय भाषा माध्यम में शिक्षण अधिगम प्रक्रिया एवं अधिगम सामग्री की अनुपलब्धता है। भारतीय भाषा माध्यम से आये कुछ विद्यार्थी यदि उच्च शिक्षा को जारी भी रखते हैं तो वे अपनी अधिकांश ऊर्जा विषयवस्तु में पारंगत होने से अधिक उपनिवेशी भाषा से जूझने में खर्च करते हैं।

यदि हम राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 में उल्लिखित लक्ष्यों यथा उच्च शिक्षा में सकल नामांकन अनुपात (GER) का 50% होना, भारतीयता आधारित शिक्षा का संवर्धन आदि, को प्राप्त करना चाहते हैं तो उच्च शिक्षा के अधिगम प्रक्रिया के साथ-साथ उच्च शिक्षा पाठ्यसामग्री की उपलब्धता भारतीय भाषा माध्यम में सुनिश्चित करानी ही होगी। उच्च शिक्षा में गुणवत्तापूर्ण शिक्षण हेतु अनुसंधान एक सतत् आवश्यकता है। शिक्षकों का अनुसंधान एवं अन्य माध्यमों से लगातार अद्यतन रहना नितांत आवश्यक है। ऐसे में शिक्षकों की भारतीय भाषा माध्यम को प्रयोग करते हुए अनुसंधान करने एवं नवीन ज्ञान के सृजन हेतु तत्परता एवं तैयारी आवश्यक है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 शिक्षक शिक्षा संस्थानों के क्षितिज को उच्च शिक्षा सहित शिक्षा के सभी स्तरों तक विस्तार देती है। ऐसे में भारतीय भाषा माध्यमों से उच्च शिक्षा प्रदान करने वाले शिक्षकों की तैयारी में शिक्षक शिक्षा संस्थानों की भूमिका निर्धारित करना भी आवश्यक है।

उक्त सभी बिन्दुओं पर चर्चा-परिचर्चा एवं भविष्य की दिशा सुनिश्चित करने हेतु दक्षिण बिहार केन्द्रीय विश्वविद्यालय, गया के शिक्षक शिक्षा विभाग (शिक्षा पीठ) द्वारा विद्या भारती उच्च शिक्षा संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में, भारतीय भाषा समिति, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा संपोषित एक राष्ट्रीय संगोष्ठी हिंदी पखवाड़े के दौरान दिनांक 15-16 सितम्बर 2022 को विश्वविद्यालय परिसर में स्थित विवेकानन्द सभागार में आयोजित की जा रही है। इस संगोष्ठी का शीर्षक है:

भारतीय भाषा माध्यम से उच्च शिक्षा : संभावनाएँ, चुनौतियाँ एवं शिक्षकों की तैयारी

(Higher Education through the Medium of Indian Languages: Opportunities, Challenges & Readiness of Teachers)

संगोष्ठी के उप-विषय निम्नलिखित हैं :

अ. उच्च शिक्षा संस्थानों में शिक्षण माध्यम के रूप में भारतीय भाषाएँ

- *उच्च शिक्षा संस्थानों में शिक्षण माध्यम के रूप में भारतीय भाषाएँ: संभावनाएँ एवं चुनौतियाँ*
- *विज्ञान एवं तकनीकी उच्च शिक्षा प्रणाली में भारतीय भाषाएँ: संभावनाएँ एवं चुनौतियाँ*
- *भारतीय उच्च शिक्षा प्रणाली में भाषाई विविधता*
- *पाठ्यचर्या में व्याप्त भाषा*
- *भाषा कला के रूप में और कला भाषा के रूप में*
- *शिक्षा में भाषा, साहित्य एवं सांस्कृतिक संसाधन के रूप में*
- *भारतीय भाषाओं के उन्नयन में तकनीकी का योगदान*

ब. भारतीय भाषाओं में उच्च शिक्षा हेतु गुणवत्तापूर्ण पाठ्यसामग्री की उपलब्धता

- *उच्च शिक्षा की पाठ्यसामग्री का भारतीय भाषाओं में मौलिक लेखन*
- *उच्च शिक्षा की पाठ्यसामग्री का भारतीय भाषाओं में अनुवाद*
- *भारतीय भाषाओं में उपलब्ध पाठ्यसामग्री की गुणवत्ता*
- *भारतीय भाषाओं में शोध प्रतिवेदन एवं शोध संदर्भ लिखने के लिए प्रमापीकृत प्रारूप*

स. भारतीय भाषाओं में शिक्षण हेतु शिक्षकों की तैयारी

- *भारतीय भाषाओं में शिक्षक शिक्षा*
- *भारतीय भाषा माध्यम से उच्च शिक्षा के शिक्षकों की तैयारी*
- *भारतीय भाषाओं में शिक्षण हेतु शिक्षकों की अभिवृत्ति*
- *भारतीय भाषाओं का शिक्षणशास्त्र*
- *भारतीय भाषाओं को सीखने का माहौल बनाने के लिए अभिनव अभ्यास और शिक्षण विधियाँ*
- *भारतीय भाषाओं में सीखने का माहौल बनाने के लिए अभिनव अभ्यास और शिक्षण विधियाँ*
- *भारतीय भाषाओं के विकास में शिक्षकों की भूमिका*
- *भाषाई विविधता वाले कक्षा में शिक्षण*

द. अन्य समसामयिक विविध विषय

- *बहुभाषी और बहुसांस्कृतिक देश में संसाधन के रूप में बहुभाषावाद*
- *उच्च शिक्षा प्रणाली में भारतीय भाषाओं, कला और संस्कृति का एकीकरण*
- *भारतीय भाषाओं में अनेकता में एकता*
- *एक बहुभाषी देश के रूप में भारत*
- *भारतीय भाषाओं का ऐतिहासिक उद्भव*
- *भारतीय भाषा और समाज*

उक्त के अतिरिक्त अन्य संबंधित विषय/उप विषय भी आवश्यकतानुसार संगोष्ठी में सम्मिलित किये जा सकेंगे।

सारांश (Abstract) और पूर्ण शोधपत्र/लेख (Research Paper/Article) भेजने हेतु प्रारूप :

सारांश एक उपयुक्त शीर्षक एवं संक्षिप्त विवरण के साथ (समस्या, शोध अभिकल्प, परिणाम आदि से सम्बंधित बिन्दुओं को समाहित किये हुए) अधिकतम 250 शब्दों के भीतर, 3-5 मुख्य शब्द (कीवर्ड) के साथ हो। सारांश के सबसे ऊपर उस उप-विषय/थीम का उल्लेख अवश्य करें जिसके अंतर्गत शोधपत्र/लेख को लिखा गया है, फिर शीर्षक लिखें। साथ ही लेखक/लेखकों के विवरण (नाम, पता ,मोबाइल नंबर, ईमेल) भी स्पष्ट रूप से लिखें।

पूर्ण शोधपत्र यूनिकोड/कोकिला/कृति-देव (आकार 14) या टाइम्स न्यू रोमन (साइज 12) में अधिकतम 3000 शब्दों की सीमा के भीतर लिखा जाना चाहिए। संदर्भ लेखन हेतु (मूल शोधपत्र में और शोधपत्र के अंत में) अधिमानतः एपीए 7वीं/8वीं शैली प्रारूप का पालन करें। संदर्भों को केवल रोमन वर्णानुक्रम में व्यवस्थित करें।

पूर्ण शोधपत्र/लेख को भेजने के लिए ईमेल : events.dte.cusb@gmail.com

ऑनलाइन पंजीकरण हेतु लिंक: https://forms.gle/69pVorBuxiV9pTNJ6

महत्वपूर्ण तिथियाँ:

पंजीकरण एवं शोध सारांश भेजने की अंतिम तिथि : सितंबर 06, 2022, रात्रि 12 बजे तक
संगोष्ठी हेतु शोध सारांश स्वीकृति का निर्णय: सितंबर 08, 2022, रात्रि 12 बजे तक
पूर्ण शोधपत्र भेजने की तिथि: सितंबर 12, 2022, रात्रि 12 बजे तक

प्रमाणीकरण: सभी सत्रों में उपस्थित पंजीकृत प्रतिभागियों को उनके पंजीकरण प्रारूप पर अंकित जानकारी के आधार पर प्रमाणपत्र प्रदान किया जायेगा। सभी प्रस्तुत शोध प्त्रों में से चयन कर सर्वश्रेष्ठ शोधपत्र प्रमाण-पत्र भी दिया जायेगा। इस संदर्भ में समिति का निर्णय अंतिम एवं सर्वमान्य होगा।

प्रकाशन: अपेक्षित संख्या में गुणवत्तापूर्ण शोध-पत्रों के आधार पर ISBN धारित पुस्तक का प्रकाशन किया जायेगा।

आवासन: बाहरी प्रतिभागियों के लिए पहले-आओ-पहले पाओ के आधार पर सीमित आवास की व्यवस्था विश्वविद्यालय के गेस्ट हाउस एवं/या छात्रावासों में नि:शुल्क की जाएगी। प्रतिभागियों को यात्रा भत्ता देय नहीं होगा, परन्तु संगोष्ठी के दोनों दिन आहार की व्यवस्था आयोजन स्थल पर होगी। होटल में ठहरने के इच्छुक प्रतिभागियों को होटल का व्यय स्वयं वहन करना होगा।

दक्षिण बिहार केन्द्रीय विश्वविद्यालय :

दक्षिण बिहार केन्द्रीय विश्वविद्यालय (तत्कालीन बिहार केन्द्रीय विश्वविद्यालय), केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 के तहत संसद के अधिनियम के माध्यम से 2009 में स्थापित किया गया है और केंद्रीय विश्वविद्यालय संशोधन अधिनियम 2014 के द्वारा इसका नाम परिवर्तित किया गया है। विश्वविद्यालय गुणवत्तापूर्ण शिक्षण और अनुसंधान के लिए अपनी नीतियों, कार्यक्रमों और शैक्षणिक नवाचारों के साथ एक विशिष्ट स्थान बनाने के लिए प्रगतिशील है। अपने अकादमिक प्रयास में इसने बुनियादी ढांचे, प्रयोगशाला, अनुसंधान परियोजनाओं, संकाय भर्ती, प्रक्रियात्मक कार्यों के साथ-साथ प्रस्तावित किए जा रहे नवीन पाठ्यक्रमों को शामिल करने के मामले में एक मील का पत्थर स्थापित किया है। आदर्श वाक्य 'ज्ञान सेवा विमुक्तये' के साथ, विश्वविद्यालय गया-पंचानपुर मार्ग पर पंचानपुर (गया शहर से 15 किमी दूर) में 300 एकड़ भूमि में अवस्थित परिसर से अपनी शैक्षणिक और प्रशासनिक गतिविधियों का संचालन कर रहा है।

भारतीय भाषा समिति :

भारतीय भाषाओं के संवर्धन के लिए 'भारतीय भाषा समिति' का गठन शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा 15 नवंबर, 2021 को किया गया। इस उच्चस्तरीय समिति के अध्यक्ष श्री चमू कृष्ण शास्त्री हैं। इस समिति का मूल उद्देश्य राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के आलोक में भारतीय भाषाओं के समग्र एवं बहु-विषयक विकास के लिए त्वरित उपायों एवं कार्य योजना का सुझाव देना है। समिति को भारतीय भाषाओं के शिक्षण एवं अनुसंधान के विकास से संबंधित सभी मामलों पर शिक्षा मंत्रालय को सलाह देने का कार्य सौंपा गया है। इस दिशा में समिति कई कार्य कर रही है; जैसे- भारतीय भाषाओं के विकास के लिए शैक्षणिक संस्थानों में भाषा शिक्षण सुविधाओं का सर्वोत्तम उपयोग सुनिश्चित करने के लिए मौजूदा ढांचे में सुधार हेतु सुझाव देना; सभी श्रेणियों की भाषाओं, अर्थात अनुसूचित, लुप्तप्राय, गैर-अनुसूचित, लघु, जनजातीय, शास्त्रीय भाषाएँ, आदि का समावेश सुनिश्चित करना; कौशल और व्यावसायिक शिक्षा का भारतीय भाषाओं में सुलभता, भाषा सीखने-सिखाने के नवाचारी तकनीक, भाषा शिक्षकों की शिक्षा व विकास, भाषा प्रवीणता, अनुसंधान, भाषा संग्रहों का निर्माण, अनुवाद आदि के लिए सिफारिशें करना; शिक्षार्थियों के लाभ के लिए भारतीय भाषाओं में शिक्षण-अधिगम सामग्री की उपलब्धता और उपयोग को बढ़ावा देना; 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' के बोध को सुदृढ़ करने के लिए नवाचार प्रकोष्ठ, भारतीय ज्ञान प्रणाली आदि शिक्षा मंत्रालय द्वारा शुरू किये गए छात्र केंद्रित पहलों के साथ निकटता से समन्वय स्थापित करना, आदि। समिति का कार्यालय विश्वकर्मा भवन (तृतीय तल, 'ए' खंड), शहीद जीत सिंह मार्ग, कटवारिया सराय, नई दिल्ली-110016 में स्थित है।

विद्या भारती उच्च शिक्षा संस्थान :

विद्या भारती उच्च शिक्षा संस्थान, भारत के उच्च शिक्षा परिदृश्य में नीतिगत और संरचनात्मक सुधारों पर ध्यान देने के साथ उच्च शिक्षा के क्षेत्र में काम करने वाला एक स्वैच्छिक संगठन है। यह उच्च शिक्षा के आदर्श और गतिविधियों को निर्धारित कर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की अवधारणा को साकार करने के लिए काम कर रहा है। विद्या भारती प्राचीन और आधुनिक, पारंपरिक और गैर-पारंपरिक के संयोजन वाला उत्कृष्टता के केंद्र बनाने की ओर प्रयासरत है।

विद्या भारती
उच्च शिक्षा संस्थान
Vidya Bharati
Uchcha Shiksha Sansthan

शिक्षक शिक्षा विभाग (शिक्षा पीठ) :

शिक्षा पीठ के तहत शिक्षक शिक्षा विभाग (पूर्व में सेन्टर फॉर एजुकेशन) की स्थापना 2013 में चार वर्षीय एकीकृत बी.ए.बी.एड. और चार वर्षीय एकीकृत बी.एस.सी. बी.एड. कार्यक्रम की शुरुआत के साथ की गई थी। इसके अलावा, शिक्षा के क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण शिक्षक शिक्षकों और विद्वतजनों की जरूरतों को पूरा करने के लिए पीएच.डी. एवं एम.एड. कार्यक्रम क्रमशः वर्ष 2016 तथा वर्ष 2017 में शुरू किए गए। विद्यार्थियों को विश्व स्तरीय सीखने का अनुभव प्रदान करने के लिए विभाग के पास विभिन्न शैक्षणिक पृष्ठभूमि और अनुभव वाले अत्यधिक कुशल और योग्य संकाय सदस्य हैं। विभाग के पास एक हाई-टेक मूक्स (MOOCs) स्टूडियो है। इसके साथ ही विभाग में सुसज्जित साइंस लैब, सोशल साइंस लैब, करिकुलम लैब, साइकोलॉजी लैब और आर्ट्स लैब है। इन उच्च-मानक अवसंरचनात्मक सुविधाओं के अलावा एक एकीकृत शैक्षिक संसाधन केंद्र है जिसमें कई नीति दस्तावेज, शोध प्रतिवेदन की रिपोर्ट, क्षेत्र सर्वेक्षण, शैक्षिक डेटा, शिक्षकों की हैंडबुक, जर्नल, शैक्षिक फिल्में, वृत्तचित्र शामिल आदि शामिल हैं। विभाग में शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार की पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षक और शिक्षण मिशन (पीएमएमएमएनएमटीटी) योजना के माध्यम से राष्ट्रीय संसाधन केंद्र (NRC) का सफल संचालन भी किया जा रहा है जिसके तहत विभाग बहुआयामी और अत्यधिक गुणात्मक सेवाकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रमों और महत्वपूर्ण उत्पादक कार्यशालाओं के माध्यम से देश के संपूर्ण शिक्षण और शैक्षणिक नेतृत्व समुदाय को विशेष सेवाएं प्रदान कर रहा है। विभाग के राष्ट्रीय संसाधन केंद्र द्वारा अर्पित योजना के तहत स्वयं (SWAYAM) मंच के माध्यम से शिक्षक शिक्षकों के लिए तीन मूक्स (MOOCs) सफलतापूर्वक आयोजित किए गए हैं। इन प्रयासों को जारी रखते हुए, विभाग शैक्षणिक कार्यक्रमों, व्यापक अनुसंधान, क्षेत्र अध्ययन, रचनात्मक उपक्रमों और अन्य शैक्षिक गतिविधियों जैसी गुणवत्तापूर्ण पहलों की मदद से, शिक्षक शिक्षा के लिए उत्कृष्टता केंद्र के रूप में विकसित होने और उच्च मानक/बेंचमार्क स्थापित करने की इच्छा रखता है।

दक्षिण बिहार केन्द्रीय विश्वविद्यालय, गया के लिए परिवहन के साधन :

गया सड़क मार्ग, रेलवे और हवाई मार्ग द्वारा शेष भारत और दुनिया से अच्छी तरह जुड़ा हुआ है। दक्षिण बिहार केन्द्रीय विश्वविद्यालय का परिसर गया शहर से लगभग 15 किलोमीटर राष्ट्रीय राजमार्ग (NH-120) गया -पंचानपुर मार्ग पर स्थित है।

रोडवेज: ग्रांड ट्रंक रोड (NH-2) विश्वविद्यालय से लगभग 40 किमी दूर है। इस प्रकार गया कोलकाता, वाराणसी, इलाहाबाद, कानपुर, दिल्ली और अमृतसर से अच्छी तरह से जुड़ा हुआ है। एक राष्ट्रीय राजमार्ग (NH-83) गया को पटना से जोड़ता है।

रेलवे: गया रेलवे स्टेशन पटना रेलवे स्टेशन के बाद बिहार का दूसरा सबसे महत्वपूर्ण स्टेशन है। यह एक जंक्शन है और महत्वपूर्ण ब्रॉड गेज मार्गों के माध्यम से चार महत्वपूर्ण महानगरीय शहरों यानी नई दिल्ली, कोलकाता, चेन्नई और मुंबई से अच्छी तरह से जुड़ा हुआ है। विभिन्न राजधानी एक्सप्रेस और अन्य ट्रेनों के अलावा, नई दिल्ली से गया के लिए एक विशेष दैनिक ट्रेन, महाबोधि एक्सप्रेस है। ट्रेन से नई दिल्ली से गया पहुंचने में लगभग 11-15 घंटे लगते हैं। भारत के महत्वपूर्ण स्टेशनों जैसे रांची, वाराणसी, लखनऊ, कानपुर, इलाहाबाद, आगरा, मथुरा, जबलपुर, भोपाल, इंदौर, नागपुर, भुवनेश्वर, पुरी आदि से गया के लिए बड़ी संख्या में सीधी ट्रेनें हैं। बिहार के दो महत्वपूर्ण शहरों गया और पटना के बीच लगातार रेल सेवा चलती रहती है। दक्षिण बिहार केन्द्रीय विश्वविद्यालय का परिसर गया रेलवे स्टेशन से लगभग 15 किलोमीटर दूर है।

हवाई मार्ग: गया में एक बड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा है। गया हवाई अड्डे को घरेलू उड़ानों के लिए एयर इंडिया, इंडिगो और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए श्रीलंकाई एयरलाइंस, मिहिन लंका, ड्रुक एयर, थाई एयर और अन्य अंतरराष्ट्रीय एयरलाइनों द्वारा सेवा प्रदान की जाती है। गया हवाई अड्डे और दक्षिण बिहार केन्द्रीय विश्वविद्यालय परिसर के बीच की दूरी लगभग 20 किलोमीटर है।

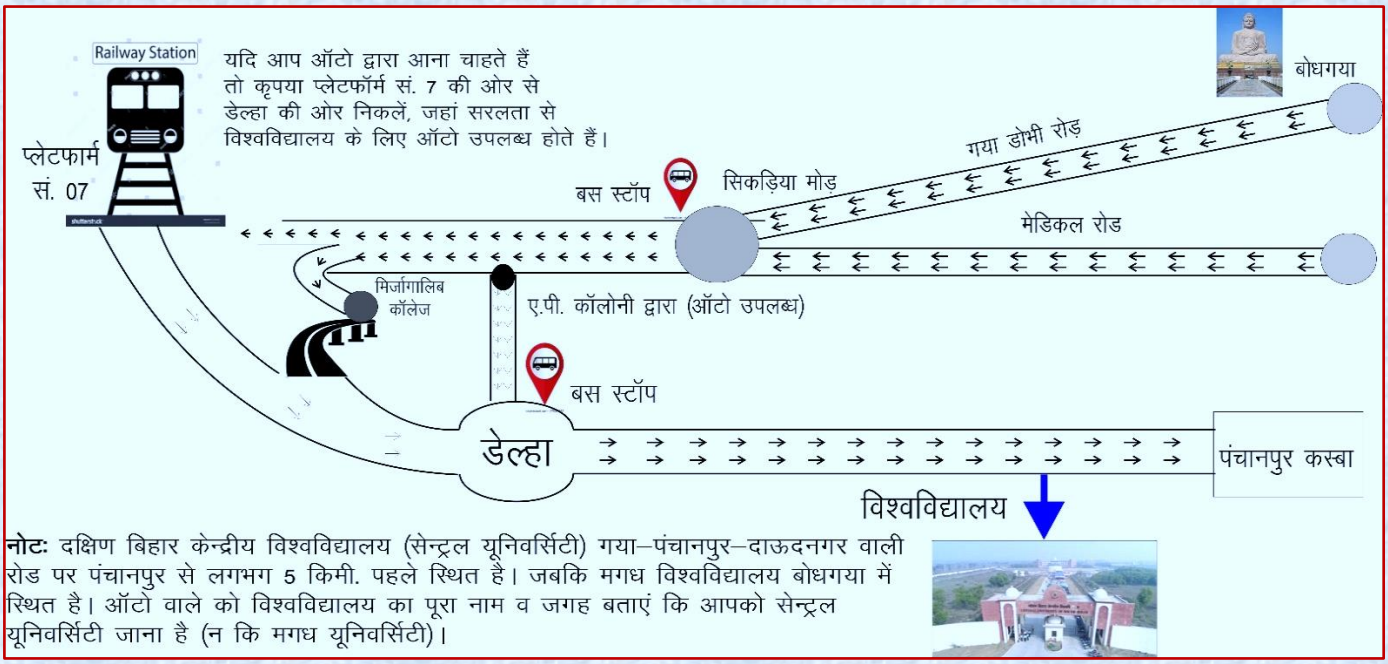

नोटः दक्षिण बिहार केन्द्रीय विश्वविद्यालय (सेन्ट्रल यूनिवर्सिटी) गया–पंचानपुर–दाऊदनगर वाली रोड पर पंचानपुर से लगभग 5 किमी. पहले स्थित है। जबकि मगध विश्वविद्यालय बोधगया में स्थित है। ऑटो वाले को विश्वविद्यालय का पूरा नाम व जगह बताएं कि आपको सेन्ट्रल यूनिवर्सिटी जाना है (न कि मगध यूनिवर्सिटी)।

संपर्क सूत्र :

संगोष्ठी से जुड़ी किसी भी जानकारी के लिए निम्नलिखित मोबाइल नंबर पर संपर्क कर सकते हैं :

शोधपत्र प्रस्तुतीकरण सबंधित पूछताछ के लिए :

डॉ. रिंकी (9472715993), डॉ. मनीष कुमार गौतम (8299458241/9453230572)

राहुल कुमार साहू (72090010007), फिरदौस तबस्सुम (7677523153)

आवास एवं परिवहन सबंधित पूछताछ के लिए :

डॉ. नृपेन्द्र वीर सिंह (9336174142), डॉ. कविता सिंह (7258810514)

आशुतोष कुमार (7277578697), आकाश (9430559945)

राष्ट्रीय संगोष्ठी

भारतीय भाषा माध्यम से उच्च शिक्षा : संभावनाएँ, चुनौतियाँ एवं शिक्षकों की तैयारी

15 - 16 सितंबर, 2022 (गुरुवार एवं शुक्रवार)

भारतीय भाषा समिति (शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार) द्वारा संपोषित तथा शिक्षक शिक्षा विभाग (दक्षिण बिहार केन्द्रीय विश्वविद्यालय, गया) एवं विद्या भारती उच्च शिक्षा संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित

आयोजन समिति

संरक्षक

श्री चमू कृष्ण शास्त्री

अध्यक्ष

भारतीय भाषा समिति

प्रमुख संरक्षक

प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह

माननीय कुलपति

दक्षिण बिहार केन्द्रीय विश्वविद्यालय

संरक्षक

प्रो. कैलाश चन्द्र शर्मा

राष्ट्रीय अध्यक्ष

विद्या भारती उच्च शिक्षा संस्थान

निर्देशक

प्रो. कौशल किशोर

अधिष्ठाता, शिक्षा पीठ

अध्यक्ष, शिक्षक शिक्षा विभाग

समन्वयक

डॉ. चंदन श्रीवास्तव

अकादमिक समन्वयक

भारतीय भाषा समिति

आयोजन सचिव

डॉ. रिंकी

सहायक आचार्य

शिक्षक शिक्षा विभाग

सह-निर्देशक

डॉ. तपन कुमार बसंतिआ, सह-आचार्य, शिक्षक शिक्षा विभाग

डॉ. रवि कान्त, सह-आचार्य, शिक्षक शिक्षा विभाग

आयोजन सह-सचिव

डॉ. तरुण कुमार त्यागी, सहायक आचार्य, शिक्षक शिक्षा विभाग

डॉ. रवीन्द्र कुमार, सहायक आचार्य, शिक्षक शिक्षा विभाग

डॉ. मनीष कुमार गौतम, सहायक आचार्य, शिक्षक शिक्षा विभाग

सदस्य

डॉ. मितांजलि साहू, सहायक आचार्य, शिक्षक शिक्षा विभाग

डॉ. चंद्रप्रभा पाण्डेय, सहायक आचार्य, शिक्षक शिक्षा विभाग

डॉ. प्रज्ञा गुप्ता, सहायक आचार्य, शिक्षक शिक्षा विभाग

डॉ. किशोर कुमार, सहायक आचार्य, शिक्षक शिक्षा विभाग

डॉ. मो. मोज़म्मिल हसन, सहायक आचार्य, शिक्षक शिक्षा विभाग

डॉ. नृपेन्द्र वीर सिंह, सहायक आचार्य, शिक्षक शिक्षा विभाग

डॉ. कविता सिंह, सहायक आचार्य, शिक्षक शिक्षा विभाग

डॉ. स्वाति गुप्ता, सहायक आचार्य, शिक्षक शिक्षा विभाग

डॉ. समरेश भारती, सहायक आचार्य, शिक्षक शिक्षा विभाग

डॉ. संदीप कुमार, सहायक आचार्य, शिक्षक शिक्षा विभाग

सलाहकार मंडल

प्रो. उमेश कुमार सिंह, कुलानुशासक, दक्षिण बिहार केन्द्रीय विश्वविद्यालय

प्रो. पवन कुमार मिश्रा, विद्यार्थी कल्याण अधिष्ठाता, दक्षिण बिहार केन्द्रीय विश्वविद्यालय

प्रो. वेंकटेश सिंह, समन्वयक-आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ, दक्षिण बिहार केन्द्रीय विश्वविद्यालय

डॉ. आशीष कुमार सिंह, अध्यक्ष, शारीरिक शिक्षा विभाग, शिक्षा पीठ, दक्षिण बिहार केन्द्रीय विश्वविद्यालय

डॉ. उषा तिवारी, सह-आचार्य, शारीरिक शिक्षा विभाग, शिक्षा पीठ, दक्षिण बिहार केन्द्रीय विश्वविद्यालय

राष्ट्रीय संगोष्ठी

भारतीय भाषा माध्यम से उच्च शिक्षा : संभावनाएँ, चुनौतियाँ एवं शिक्षकों की तैयारी

15 - 16 सितंबर, 2022 (गुरुवार एवं शुक्रवार)

भारतीय भाषा समिति (शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार) द्वारा संपोषित तथा शिक्षक शिक्षा विभाग (दक्षिण बिहार केन्द्रीय विश्वविद्यालय, गया) एवं विद्या भारती उच्च शिक्षा संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित

पंजीयन प्रपत्र (REGISTRATION FORM)

पंजीयन संख्या (Registration No.) (to be filled by DTE, (CUSB) office): **CUSB/ SoE/DTE/Seminar/.....**

दिनांक (Date):.....

Attach/ Staple Passport size Photo

(Without signature)

Do not paste

1. **पूरा नाम (Full Name):** .....
2. **पद एवं संस्था का पता (Designation &Institutional Address:**.....
   .....
3. **पत्राचार संपर्क (Correspondence Contacts)**:
   मोबाइल नंबर (Mobile No.): व्हाट्सएप(WhatsApp No.):
   ईमेल (e- mail):
4. **साथ आने वाले व्यक्ति का विवरण और संबंध (यदि कोई है) (Accompanying Person/s Details & Relationship, if any):**
   .....
5. **आवास की आवश्यकता (Lodging Required)***: हाँ / ना (Yes/NO) सदस्यों की संख्या* (No. of person/s) - .....
   यदि हां, तो आगमन की तिथि (If Yes, Dates of Arrival): .....Sept.2012 (FN/AN),
   प्रस्थान तिथि (Departure): .....Sept.2022 (FN/AN).
   कुल दिवस (Total days of stay): .....Days
   यात्रा का साधन (Mode of Travel): वायुयान (Air)/ रेल (Rail)/ सड़क (Road)
6. **शोध पत्र प्रस्तुत करने की इच्छा (Willingness for Paper Presentation (Tick))- हाँ (Yes) / नहीं (No)**
   यदि हाँ, तो शोधपत्र का शीर्षक (If Yes, the Title of the Paper):
   .....
7. **घोषणा:** ऊपर दी गई जानकारी मेरी जानकारी के अनुसार सही है और मैं इसके लिए पूरी तरह से जिम्मेदार हूँ। मैं संगोष्ठी आयोजकों के नियमों/मानदंडों का पालन करने के लिए सहमत हूँ।
   (Declaration: The information given above is true to best of my knowledge and I am solely responsible for it. I agree to abide by the rules/norms of seminar organizers.)

हस्ताक्षर (Signature):..... दिनांक(**Date**)..... स्थान (**Place**).....

नोट (Note): ऑनलाइन पंजीयन हेतु लिंक https://forms.gle/69pVorBuxiV9pTNJ6 , संगोष्ठी में सम्मिलित होने के लिए ऑनलाइन पंजीकरण अनिवार्य है। इस पंजीयन प्रपत्र को पूर्णरूप से भर कर संगोष्ठी स्थल पर किट वितरण समिति के पास जमा कर दें।

स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर

आज़ादी का अमृत महोत्सव